



# कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-2

“जिम में मैं ट्रेनर की ओर आकर्षित हो गयी थी. वो मेरे बदन को देखता तो मुझे खुशी सी मिलती. लेकिन उसकी तरफ से मुझे कोई पहल नहीं दिख रही थी.  
आखिर ... ..”

**Story By:** (ruparathore)

**Posted:** Wednesday, January 2nd, 2019

**Categories:** [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

**Online version:** [कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-2](#)

# कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-2

इस कहानी का पिछला भाग : [कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-1](#)

एक दिन वो बोला- अगर आप दोपहर को आ सकती हो, तो मैं आपको वो सब एक्सरसाइज़ दे सकता हूँ, जिससे आपकी बाँडी फैट बहुत जल्दी कम हो जाएगी और आप जल्दी स्लिम हो कर वो सब एक्सरसाइज़ कर पाओगी। मैंने कहा- ठीक है, मैं दोपहर को आ जाया करूंगी।

अगले दिन जब मैं दोपहर को 2 बजे जिम पहुंची तो देखा वहाँ तो कोई भी नहीं था। मैंने चेंजिंग रूम में जाकर अपने कपड़े बदले। सलवार कमीज़ उतार कर सपोर्ट ब्रा और टी शर्ट और कैप्री पहनी, और बाहर आ कर मैंने ट्रेनर के रूम में देखा।

वो वहाँ पर बैठा था और साथ में मेरा बेटा भी बैठा था, दोनों कम्प्यूटर पर कुछ देख रहे थे। मैं भी जा कर उनके साथ बैठ गई। दोनों सिक्स पैक बनाने के तरीके देख रहे थे। ट्रेनर के तो पहले से ही थे मगर मेरा बेटा भी अब सेक्स पैक बनाना चाहता था।

मुझे देख कर ट्रेनर उठा और मैं उसके साथ एक्सरसाइज़ एरिया में आ गई। उसके बाद ट्रेनर ने मुझे कुछ हल्की एक्सरसाइज़ दी, मैं करती गई। ये करने में आसान थी, मगर इन सब एक्सरसाइज़ ने मेरा खूब पसीना निकाला। उस दिन मुझे सच में खुद का जिस्म बहुत हल्का लगा।

कुछ दिन ऐसे ही चलता रहा। ट्रेनर ने मुझे अपना निजी ध्यान देकर खूब एक्सरसाइज़ करवाई। मगर अब जब हम दोनों ही अकेले होते, और वो बिल्कुल मेरे पास बैठ कर मुझसे एक्सरसाइज़ करवाता। अब अक्सर ये होता कि टी शर्ट के गले से ये टाइट कैप्री में मेरे

बदन की गोलाइयाँ भी उसे खूब दिखती। वो देखता भी और उसकी आँखों में मैं अपने गोरे बदन के लिए एक चाहत भी देखती।

कभी कभी कोई एक्सरसाइज़ करते मेरा बदन उससे छू जाता या वो जब किसी एक्सरसाइज़ के दौरान मेरे पीठ, कमर, जांघों या चूतड़ों को छूता या दबाता तो सच में मुझे बहुत सनसनी होती। मुझे उसका छूना बहुत अच्छा लगता था।

कुछ ही दिन में मेरी उस से अच्छी दोस्ती हो गई। पहले वो मुझे मैडम कहता था, मगर अब तो सीधा रूपा कह कर ही बुलाया करता था। धीरे धीरे मैं खुद भी उसके नजदीक आती गई क्योंकि मुझे भी उसका मजबूत कसरती बदन और उसका केयरिंग नेचर बहुत अच्छा लगता था।

धीरे धीरे हम एक दूसरे के और करीब आते गए, बात अब हंसी मज़ाक की भी होने लगी। अब जब कभी वो मेरे जिस्म पर कहीं छूता तो मुझे बहुत सहज लगता। मगर अभी तक उसने मेरे जिस्म पर कभी किसी भी गलत जगह पर नहीं छुआ था। हाँ, पाँव, कमर, पीठ, जांघ पर छूना आम बात थी, मगर मेरी फुद्दी, चूतड़ों या मम्मों को कभी नहीं छुआ था। यह बात भी थी कि अब उसके सामने मुझे अपने क्लीवेज को ढकने की कोई ज़रूरत महसूस नहीं होती थी। अगर वो देख भी रहा होता तो भी मैं सहज ही रहती कि 'देख ले यार ... क्लीवेज में क्या है।'

मगर जब मैं रात को सोने के लिए बिस्तर पर जाती तो रोज़ उसको याद करती। अब जब भी मैं अपनी उंगली से या डिल्डो से अपनी फुद्दी को ठंडा करती तो मेरे ख्यालों में मेरा ट्रेनर ही होता। मैं भी महसूस करती थी कि उसकी लोअर के अंदर एक मस्त मर्दाना औज़ार है एक दो बार मेरी कमर से जब उसकी कमर घिसी तो मुझे महसूस हुआ कि उसका हथियार ज़बरदस्त है। मुझे उसका हथियार अपने चूतड़ों पर घिसते हुये अच्छा लगता था।

मैं सोचती तो थी कि हम दोनों इतने करीब आ गए हैं तो ये मुझे अपने प्यार का इज़हार क्यों नहीं कर रहा। एक दो बार तो मैंने सोचा, क्यों न मैं ही उसे 'आई लव यू!' कह दूँ। मगर उस जिम में तो और भी बहुत सी सुंदर और सेक्सी लड़कियां और औरतें आती थी। कहीं मैं उसे आई लव यू कह दूँ, और वो किसी और को चाहता हो, या मेरे प्यार को इंकार दे तो मेरी बेइज़्जती हो जाती। इस लिए मैं चाहती थी कि वो ही मुझे प्रोपोज करे।

एक दिन मैंने अपने लिए बाज़ार से एक्सरसाइज़ के लिए नई ड्रेस ली। ये बहुत ही स्किन टाइट ड्रेस थी। इसमें एक निक्कर, पेंटी, स्पोर्ट्स ब्रा और टाइट टी शर्ट थी, गला थोड़ा गहरा था। उस दिन दोपहर को मैं जिम में गई। अपने कपड़े बदले, पर जब मैंने अपने सब कपड़े उतार दिये, तो शीशे में अपने नंगे बदन को बड़े ध्यान से देखा, एक्सरसाइज़ का असर मेरे बदन पर दिखने लगा था।

मैं फिर पेंटी, ब्रा और बाकी कपड़े पहने और बाहर आ गई। बाहर वो पहले सी ही तैयार था, मुझे देख कर बोला- अरे वाह, आज तो बड़ी गजब लग रही हो।

मैंने कहा- क्या सिर्फ गजब, सेक्सी नहीं ?

हम दोनों हंस पड़े, वो बोला- अरे सेक्सी तो तुम हो।

मैंने अदा से कहा- अच्छा, पर कभी तुमने कहा तो नहीं ?

वो मुस्कुरा कर बोला- अब ऐसे किसी लेडी को सेक्सी कहना ठीक नहीं न, अगर वो बुरा मान जाए तो !

मैंने कहा- और अगर वो बुरा न माने तो ?

उसने मेरे चेहरे को देखा और बोला- पर जो हो ही सेक्सी, उसको कहने की क्या ज़रूरत।

मैंने कहा- चल अब बातें मत बनाओ, काम शुरू करो।

मैं ट्रेडमिल पर गई और मैंने वाकिंग शुरू की। फिर साइकलिंग की पहले धीरे धीरे और फिर कुछ देर में ही स्पीड बढ़ा दी। जब मेरी बॉडी वार्म अप हो गई, तो मैं स्ट्रेचिंग वगैरह करने

लगी। फिर मैं जब वेट उठाने के लिए जाने लगी, तो उसने कहा- रूपा, आज तुम्हें कुछ और करवाता हूँ।

वो मुझे फर्श पर बिछी मैट पर ले आया। मैं उसके सामने बैठ गई, उसने मुझे कहा- अपने पाँव बिल्कुल सीधे करो, दोनों बाहों को सीने पर क्रॉस करो और फिर उठ कर बैठो और फिर लेटो।

उसने अपने दोनों हाथों से मेरे घुटने पकड़ लिए।

जब मैं ऊपर को उठी तो मेरे चेहरा बिल्कुल उसके चेहरे के पास आया। एक बार तो दिल किया, साले के होंठ ही चूम लूँ। मगर नहीं, अभी नहीं।

उसने सिर्फ 5 बार मुझसे ये एक्सरसाइज़ करवाई, क्योंकि इसने पेट पर बहुत ज़ोर पड़ता था।

फिर उसने मुझे उल्टा लेटा दिया और पीछे से मेरी टाँगें दबा दी और आगे से अपने जिस्म को ऊपर उठाने को कहा। यह भी बहुत मुश्किल एक्सरसाइज़ थी। मेरे पेट और पीठ पर इतना ज़ोर पड़ा कि मैं निढाल होकर गिर गई। पहले उसने मेरे घुटने पकड़े हुये थे मगर अब वो मेरी जांघों पर ही आ बैठा।

मुझे उसका ये एक्शन कुछ अजीब सा लगा, उसने पहली बार मेरे दोनों चूतड़ों को अपने हाथों से दबाया, बल्कि मुझे अपना जिस्म ऊपर उठाने को कहा। बड़ी मुश्किल हुई, मैंने कोशिश की मगर फिर वो मेरे चूतड़ों के ऊपर ही आकर बैठ गया। उसका लंड मैं बिल्कुल अपने दोनों चूतड़ों के साथ लगा हुआ महसूस कर रही थी। उसने मेरे दोनों कंधों से पकड़ कर मुझे पीछे को खींचा।

बेशक वो एक्सरसाइज़ करवा रहा था मगर मेरा मन तो बहक रहा था। मुझे सिर्फ उसके लंड का अपनी गांड पर घिसना ही मज़ा दे रहा था। अब जब आपका ध्यान किसी और हो

तो जो काम आप कर रहे हो उस से आपका ध्यान हट जाता है।

जब मैं ढीली पढ़ गई तो उसने कहा भी- क्या हुआ रूपा, आज मूड नहीं है क्या ?

मैंने कहा- मूड तो है।

और मैंने अपने दोनो चूतड़ भींच लिए और उसका लंड मेरे चूतड़ों की दरार में कस गया।

यह एक सीधा इशारा था।

उसने मेरे दोनों चूतड़ों को अपने हाथों में पकड़ा और खोला जिससे उसका लंड मेरी चूतड़ों की दरार से निकल गया। वो मेरे ऊपर से उठा और मेरी बगल में बैठ गया। मैं भी सीधी होकर लेट गई। हम दोनों एक दूसरे की आँखों में देख रहे थे। मेरी तरफ आज उसको पूरा समर्पण था, अगर अब वो मेरे जिस्म को कहीं भी छूता तो मुझे कोई दिक्कत नहीं थी।

उसने मेरे दोनों पांव पकड़े और घुमा कर मेरे सर के पास लाया। मेरा थोड़ा पेट होने की वजह से मैं इस तरह नहीं कर पा रही थी, तो उसने मेरी दोनों टाँगें खोल कर, पीछे को खींची और मेरे दोनों पाँव मेरे सर के आस पास लगा दिये।

मगर मैं तो सिर्फ उसको ही देखे जा रही थी। मेरी फुट्टी ऊपर आसमान की तरफ उठी हुई थी। उसने अपना एक हाथ उठाया और मेरी फुट्टी को अपने हाथ से छूकर देखा, उसे सहलाया। सच में बड़ा मज़ा आया। कैसा सख्त हाथ था उसका। मेरी फुट्टी मेरी गांड उसने सबको सहला कर देखा और फिर मेरी टाँगें छोड़ दी।

मैं फिर सीधी होकर लेट गई। उसने मेरे पेट पर अपना हाथ रखा। मैंने उसका हाथ उठा कर अपने सीने पर रख लिया तो उसने मेरे मम्मे को दबाया। फिर वो नीचे को झुका और हम दोनों के होंठ मिले।

एक बहुत ही शानदार चुम्बन ... हमारे प्यार का पहला निशान। मैंने भी उसका सर पकड़ लिया, वो मुझे चूस रहा था और मैं उसको चूस रही थी। चूसते चूसते हम एक दूसरे से

लिपट गए।

कितनी देर हम एक दूसरे को चूसते रहे, एक दूसरे के जिस्म को सहलाते रहे। उसने अगर मेरे सभी कोमल अंगों को सहलाया तो मैंने भी उसका लंड पकड़ कर खूब दबाया। और मेरे दबाने से उसका लंड भी पूरा कड़क हो गया। मैंने तो उसके लोअर में ही हाथ डाल लिया और उसकी चड्डी में हाथ डाल कर उसका लंड ही पकड़ लिया। थोड़ा सा ऊपर को उठा हुआ, उसका लंड ऐसे थे जैसे लोहे का बना हो, एकदम सख्त। मेरी फुद्दी के मुँह में लंड का आकार और सख्ती देख कर ही पानी आ गया।

अब जब इस मुकाम पर हम पहुँच गए थे तो पीछे जाने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता था।

मेरी कामवासना कहानी अगले भाग तक जारी रहेगी.

[ruparathore42@gmail.com](mailto:ruparathore42@gmail.com)

कहानी का तीसरा भाग : [कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-3](#)

## Other stories you may be interested in

### हस्तमैथुन का नया विकल्प

मेरी राय उन सभी लड़कों के लिए है जो अकेले हैं, जिनके पास ना कोई सेक्स टॉय है, ना ही कोई छेद की व्यवस्था है मतलब शादीशुदा नहीं हैं, ना कोई महिला मित्र है मैथुन क्रिया के लिए। और वो [...]

[Full Story >>>](#)

### भाभी नींद की एक्टिंग करके चुदती रही

मेरा नाम पीहू है और मैं वाराणसी का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 20+ है. मैं 5 फुट 9 इंच वाला सिक्स पैक वाला एक स्मार्ट बंदा हूँ. ऐसा लोग कहते हैं कि मेरी आँखों में एक अजीब सी कशिश [...]

[Full Story >>>](#)

### जवानी की प्यास नौकर से बुझवाई

अन्तर्वासना पढ़ने वाले हर पाठक को मेरा प्रणाम. मेरा नाम पम्मी है और मैं पंजाब की रहने वाली हूँ. मैं 25 साल की एक शादीशुदा महिला हूँ. आपको मेरे जिस्म की नुमाइश करा देती हूँ. मेरे पहाड़ जैसे गोल गोल [...]

[Full Story >>>](#)

### ममेरी भाई की शादी में बहन की गांड मारी

दोस्तो मेरा नाम है सूर्या सोनी ... मैं राजस्थान से हूँ. मैं काफी साल से अन्तर्वासना पर पोर्न कहानियां पढ़ रहा हूँ तो मैंने भी सोचा कि क्यों ना मैं भी मेरे पुराने हसीन पलों को आपके साथ शेयर करूँ! [...]

[Full Story >>>](#)

### डर के आगे चाची की चूत है

दोस्तो, मेरा नाम राज है। अब मैं जाँव में हूँ। आज मैं आपको अपनी एक सच्ची कहानी बताने जा रहा हूँ। बात उस समय की है जब मुझे डी एड की पढ़ाई के लिए भिलाई में रहना था। उस समय [...]

[Full Story >>>](#)

